शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

अभ्यास प्रश्न पत्र

कक्षा XI (2023–24)

हिंदी (ऐच्छिक) (002)

अधिकतम अंक–80 | **अवधि: 3 घंटे**

<u>सामान्य निर्देश</u>ः–

- **इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं । खंड 'अ' में वस्तुपरक / बहुविकल्पी और खंड 'ब' में वस्तुनिष्ठ / वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।**
- **प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 14 है और सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।**
- **खंड 'अ' में 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के साथ दिए गए उचित विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।**

प्रश्न संख्या	**खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित बोध**	**अंक**
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** हमारे यहाँ सारे देश में भारतीयता की भावना एक राष्ट्रव्यापी स्तर पर सदैव विद्यमान रही है। यह भावना किसी धर्म, राजनीति या भूगोल से सम्बद्ध न होकर मूलतः संस्कृति से सम्बद्ध थी। यदि भारतीयता के मूल स्रोत की बात की जाए तो हम कहेंगे कि यहाँ सदा आदर्श के प्रति निष्ठा रही है। यहाँ समय–समय पर कुछ महापुरूष हुए हैं, जिन्होंने देश के सामने कुछ आदर्श रखे। उन्होंने उन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाया और वे सबके आदर्श बन गए। एक साझे आदर्श की इस भावना ने सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखा है। अब हम चाहें इसे भारतीयता कहें या राष्ट्रीयता। भारतीय आदर्शों ने सदा से यही शिक्षा दी है कि शक्ति का उपयोग दूसरों पर अत्याचार करने में नहीं, बल्कि पीड़ितों की रक्षा करने में करना चाहिए। हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है। गौतम के दर्शन ने भोग पर त्याग की विजय पर बल दिया। नानक, तुलसी, कबीर ने इन्हीं आदर्शों का सम्मान किया। रामकृष्ण, विवेकानन्द एवं गाँधी भी इन्हीं आदर्शों के प्रचारक थे। यह कहना भ्रामक होगा कि हमारी संस्कृति हमें कमज़ोर बनना सिखाती है। वह तो कहती है कि शक्तिशाली बनो, पर शक्ति का दुरूपयोग न करो। उसका उपयोग न्याय की रक्षा के लिए करो। देश–विदेश में गांधी जी को जितना नाम मिला, उसका कारण यही था कि उन्हें भारतीय मूल्यों और आदर्शों का प्रतीक माना जाता था। उन्होंने देश में इन्हीं मानव–मूल्यों को जगाया और आत्मविश्वास की भावना का संचार किया। आदर्श के प्रति निष्ठा या प्रतिबद्धता ही किसी देश को एक सूत्र में पिरोती है। आज की समस्याओं का समाधान हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है। देश में इस समय जो विघटनकारी प्रवृत्तियाँ उभरती दिखाई दे रही हैं, उनका कारण भारतीय आदर्शों एवं मूल्यों की जानकारी का अभाव ही नहीं है, बल्कि अब हम में उदारता नहीं रही है, हमारा दृष्टिकोण संकुचित हो गया है, इस संकुचित मनोवृत्ति के कारण हम कमज़ोर होने लगे हैं। हम भूल गए हैं कि समाज की आधारशिला जितनी व्यापक होगी,उसके ऊपर उठने वाली इमारत भी उतनी ही ऊँची होगी।	**1X10=** **10**

delhi

(I)	राष्ट्रीय स्तर पर भारतीयता की भावना होने का क्या कारण है? (क) साझी संस्कृति (ख) ऐतिहासिक धरोहर (ग) संकुचित दृष्टिकोण (घ) श्रेष्ठता का भाव	
(II)	गौतम, नानक, कबीर, तुलसी, विवेकानंद इत्यादि का आदर्श क्या था ? (क) भोग पर त्याग की विजय (ख) धार्मिक प्रचार (ग) धन का संग्रह करना (घ) शत्रु का विनाश करना	
(III)	इनमें से क्या भारतीय आदर्श नहीं हो सकता ? (क) पीड़ितों की रक्षा करना (ख) मानव मूल्यों के प्रति निष्ठा (ग) शक्ति से सबको अपने वश में करना (घ) न्याय की रक्षा करना	
(IV)	भारतीय महपुरुषों का नाम देश–विदेश में आदर और सम्मान के साथ क्यों लिया जाता है? (क) श्रेष्ठ अस्तित्व भाव होने के कारण (ख) सामयिक परिवेश के बदल जाने के कारण (ग) भारतीय मूल्यों और आदर्शों के कारण (घ) विदेशी मूल्यों और आदर्शों के कारण	
(V)	आपके अनुसार राष्ट्रीयता क्या है ? (क) राष्ट्र पर शासन करना (ख) राष्ट्र की संपत्ति पर अधिकार करना (ग) राष्ट्र के प्रति सम्मान और निष्ठा (घ) दुसरे राष्ट्र के प्रति शत्रुता का भाव	
(VI)	निम्नलिखित में से कौन सा कथन भ्रामक है ? (क) हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है। (ख) हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है । (ग) हमारी संस्कृति हमें कमज़ोर बनना सिखाती है। (घ) गांधीजी भारतीय मूल्यों व आदर्शों के प्रतीक हैं।	
(VII)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) हमारी संस्कृति में विविधता के बावजूद भी एकता का सूत्र सन्निहित है । (II) हमारी संस्कृति हमें दूसरों पर आक्रमण करना सिखाती है। (III) आदर्श के प्रति निष्ठा या प्रतिबद्धता ही किसी देश को एक सूत्र में पिरोती है । उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से सही है/ हैं? (क) केवल II	

	(ख) केवल I (ग) केवल III (घ) I और III	
(VIII)	देश में इस समय जो विघटनकारी प्रवृत्तियाँ उभरती दिखाई दे रही हैं, उनका कारण है– (क) सम्पन्नता का अभाव (ख) उदारता का अभाव (ग) विविधता का अभाव (घ) शक्ति और बल का अभाव	
(Ix)	शक्ति का उपयोग किसके लिए होना चाहिए? (क) सत्ता भोगने के लिए (ख) सुखों की प्राप्ति के लिए (ग) न्याय की रक्षा के लिए (घ) शत्रुओं के नाश के लिए	
(x)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– कथन (A): विश्व में भारतीय संस्कृति को एक विशिष्ट पहचान मिली हुई है। कारण (R): भारतीय संस्कृति में उदारता और सहिष्णुता का भाव सनातन काल से मौजूद है। (क) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।	
प्रश्न 2.	**दिए गए काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** बार–बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी। गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी।। चिंता–रहित खेलना, खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद, कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनंद? रोना और मचल जाना भी क्या आनंद दिखाते थे।, बड़े–बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे। मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी, नंदन वन–सी फूल उठी यह, छोटी–सी कुटिया मेरी। माँ ओ! कहकर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थी कुछ मुख में कुछ लिए हाथ में मुझे खिलाने लाई थी मैंने पूछा–"यह क्या लाई ?" बोल उठी वह–"माँ काओ" हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से मैंने कहा "तुम्हीं खाओ।"	**1X8=8**

(I)	इस कविता के केन्द्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए– कथन– (I) प्रस्तुत कविता वात्सल्य रस की कविता है। (II) कवयित्री का घर बहुत बड़ा और आलीशान है। (III) प्रस्तुत काव्यांश में माँ और पुत्री के स्नेहिल संबंधों का परिचय मिलता है। (IV) इस काव्यांश में बाल–सुलभ चेष्टाओं और बाल मनोविज्ञान का वर्णन है। विकल्प– (क) कथन (I) और (II) सही है । (ख) कथन (II) और (III) सही है । (ग) कथन (I), (III) और (IV) सही है । (घ) कथन (I), (II), (III) और (IV) सही है ।	
(II)	कवयित्री को बार–बार किसकी याद आती है? (क) अपनी मधुर स्मृतियों की (ख) अपनी पुत्री के बचपन की (ग) स्वयं के बचपन की (घ) अपनी गरीबी के दिनों की	
(III)	'चिंता–रहित खेलना, खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद' कहकर कवयित्री किस ओर संकेत कर रही है ? (क) बचपन कई प्रकार की चिंताओं और बंधन से घिरा रहता है। (ख) बचपन चिंता और बंधनों से मुक्त स्वच्छंद होता है। (ग) बचपन केवल आँसुओं और चिंताओं से भरा होता है। (घ) बचपन खेल और आनंद से मुक्त बंधनयुक्त होता है।	
(IV)	बचपन का आनंद कैसा होता है? (क) तुलना योग्य (ख) क्रय योग्य (ग) अनमोल (घ) मूल्य सहित	
(V)	'कवयित्री का घर फूलों से खिल उठा है' यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है? (क) बार–बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी। (ख) हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से मैंने कहा "तुम्हीं खाओ।" (ग) बड़े–बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे। (घ) नंदन वन–सी फूल उठी यह, छोटी–सी कुटिया मेरी।	
(VI)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – कथन (A): प्रस्तुत काव्यांश में माँ और पुत्री के बीच ममता से भरे संबंधों को दर्शाया गया है। कारण (R): कवयित्री ने प्रस्तुत काव्यांश में स्वयं के बचपन का सुंदर वर्णन किया है।। (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	

DoE, Delhi

	(ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	
(VII)	'बड़े बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे' पंक्ति में निहित अलंकार का नाम बताइए– (क) यमक अलंकार (ख) उपमा अलंकार (ग) रूपक अलंकार (घ) श्लेष अलंकार	
(VIII)	नंदनवन का प्रयोग किसके लिए किया गया है (क) अपनी बिटिया के लिए (ख) अपने घर के लिए (ग) स्वयं के लिए (घ) अपने लिए और अपनी पुत्री के लिए	
	अभिव्यक्ति और माध्यम	
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–**	**1X5=5**
(I)	प्राप्त संदेश का कूट वाचन कौन करता है? (क) माध्यम (ख) प्राप्तकर्ता (ग) स्रोत (घ) नियोक्ता	
(II)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) भारत का पहला अखबार उदन्त मार्तंड (1780 ई.) था। (II) स्वाधीनता पूर्व पत्रकारिता का लक्ष्य धन कमाना था। (III) प्रिंट मीडिया में स्थायित्व का गुण होता है। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (II) (ख) केवल (III) (ग) (I) और (II) दोनों (घ) (I), (II) तथा (III)	
(III)	भारत में छपने वाला पहला हिंदी अखबार उदन्त मार्तंड था– (क) दैनिक (ख) पाक्षिक (ग) साप्ताहिक (घ) मासिक	

DoE, Delhi

(IV)	शाम्भवी एक पत्रकार है और वह सरकारी कार्यों से जुड़ी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर करती है, वह किस प्रकार की पत्रकार है? (क) खोजी पत्रकार (ख) विशेष पत्रकार (ग) नियमित पत्रकार (घ) स्वतंत्र पत्रकार	
(V)	यक्षगान किस राज्य की लोकनाट्य परम्परा है? (क) उत्तर प्रदेश (ख) बिहार (ग) कर्नाटक (घ) केरल	
	पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग–1	
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कीजिए –** बालम, आवो हमारे गेह रे। तुम बिन दुखिया देह रे। सब कोई कहै तुम्हारी नारी, मोकों लगत लाज रे। दिल से नहीं लगाया, तब लग कैसा सनेह रे। अन्न न भावै नींद न आवै, गृह–बन धरै न धीर रे। कामिन को है बालम प्यारा, ज्यों प्यासे को नीर रे। है कोई ऐसा पर–उपकारी, पिवसों कहै सुनाय रे। अब तो बेहाल कबीर भयो है, बिन देखे जिव जाय रे।।	**1X5=5**
(I)	काव्यांश में कबीर स्वयं को क्या मानते हैं? (क) स्वामी (ख) दास (ग) पत्नी (घ) पति	
(II)	कबीर को किस कारण लज्जा का अनुभव हो रहा है? (क) ईश्वर की दासी के रूप में बताने के कारण (ख) स्त्री स्वभाव की विशेषता के कारण (ग) सेवक–सेव्य संबंधों के कारण (घ) कुछ कर नहीं पाने की असमर्थता के कारण	
(III)	कबीर के बालम कैसे हैं? (क) सगुण और साकार (ख) निर्गुण और निराकार (ग) सगुण और निर्गुण दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं	

DoE, Delhi

(IV)	काव्यांश में कौन–सी भक्ति भावना मुखरित हुई है? (क) दैन्य भाव की (ख) दाम्पत्य भाव की (ग) वत्सल भाव की (घ) सख्य भाव की	
(V)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) कबीर के आराध्य सर्वगुण सम्पन्न सगुण साकार भगवान राम हैं। (II) कबीर निर्गुण काव्य परम्परा के ज्ञानमार्गी शाखा के सबसे प्रमुख कवि हैं। (III) सूफी काव्य परम्परा के अनुसार कबीर स्वयं को पुरुष और ईश्वर को स्त्री के रूप में व्यंजित करते हैं। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (I) (ख) केवल (II) (ग) (I) और (III) (घ) (I), (II) तथा (III)	
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा निर्देशानुसार उचित विकल्प का चयन कीजिए–** सिद्धेश्वरी की पहले हिम्मत नहीं हुई कि उसके पास जाए और वह वहीं से भयभीत हिरनी की भाँति सिर उचका–घुमाकर बेटे को व्यग्रता से निहारती रही। किंतु लगभग दस मिनट बीतने के पश्चात् भी जब रामचंद्र नहीं उठा, तो वह घबरा गई। पास जाकर पुकारा, "बड़कू, बड़कू!' लेकिन उसके कुछ उत्तर न देने पर डर गई और लड़के की नाक के पास हाथ रख दिया। साँस ठीक से चल रही थी। फिर सिर पर हाथ रखकर देखा, बुखार नहीं था। हाथ के स्पर्श से रामचंद्र ने आँखें खोलीं। पहले उसने माँ की ओर सुस्त नज़रों से देखा, फिर झट से उठ बैठा। जूते निकालने और नीचे रखे लोटे के जल से हाथ–पैर धोने के बाद वह यंत्र की तरह चौकी पर आकर बैठ गया।	**1X5=5**
(I)	सिद्धेश्वरी को भयभीत हिरनी क्यों कहा गया है? (क) किसी अनिष्ट की आशंका के कारण (ख) अचानक शेर के आने कारण (ग) रामचंद्र के अचानक आँख खोलने के कारण (घ) बड़कू–बड़कू चिल्लाने के कारण	
(II)	रामचन्द्र लोटे के जल से हाथ–पैर धोने के बाद यंत्र की तरह चौकी पर आकर क्यों बैठ गया? (क) बीमार होने के कारण (ख) भूख के कारण (ग) माँ के डाँटने के कारण (घ) पिता के डर के कारण	
(III)	इस गद्यांश में 'बड़कू' का प्रयोग किसके लिए हुआ है? (क) सिद्धेश्वरी के लिए (ख) चन्द्रिका प्रसाद के लिए (ग) रामचंद्र के लिए	

DoE/Delhi

	(घ) अमरकांत के लिए	
(IV)	" व्यग्रता" शब्द से आशय है– (क) आतुरता (ख) शीघ्रता (ग) आश्चर्य (घ) व्याकुलता	
(V)	कथन (A) : रामचन्द्र शिथिल होकर जमीन पर आँखें बंद कर लेट गया। कारण (R) : कड़कती धूप में पैदल चलकर आने के कारण उसकी यह दशा हुई। (क) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) सही व्याख्या नहीं है।	
	पाठ्यपुस्तक अंतराल भाग–1	
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए –**	**1X7=7**
(I)	"आवारा मसीहा" पाठ की विधा है– (क) जीवनी (ख) रेखाचित्र (ग) आत्मकथा (घ) यात्रा वृतांत	
(II)	"जो रुदन के विभिन्न रूपों को पहचानता है वह साधारण बालक नहीं है। बड़ा होकर वह निश्चय ही मनस्तत्व के व्यापार में प्रसिद्ध होगा" यह कथन किसका है? (क) शरतचंद्र का (ख) अघोर बाबू का (ग) अघोर बाबू के मित्र का (घ) मोतीलाल का	
(III)	कथन (A) : शरतचन्द्र की संवेदनशीलता उन्हें लेखकीय दुनिया में शिखर तक ले गई। कारण (R) : घोर दारिद्र्य व अभाव के जीवन ने शरत्चन्द्र को जीवन के प्रति संवेदनशील बना दिया था। (क) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।	
(IV)	कथन (A) : शरतचंद्र बचपन में सोचा करते थे कि साहित्य का उद्देश्य मनुष्य को दुःख पहुंचाना है। कारण (R) : शरतचंद्र ने बचपन में कभी भी दरिद्रता और दुखों का सामना नहीं किया था। (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।	

DoE, Delhi

	(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या है।	
(V)	मकबूल फिदा हुसैन को एक महान चित्रकार बनाने में सर्वाधिक भूमिका किसकी रही? (क) पिता जी की (ख) दादा जी की (ग) पत्नी की (घ) मित्रों की	
(VI)	निम्नलिखित शब्द–युग्मों को सुमेलित कीजिए– **भाग 1** — **भाग 2** (I) महाराज सियाजीराव गायकवाड़ — (I) बड़ौदा का बोर्डिंग स्कूल (II) मोहम्मद इब्राहीम — (II) बड़ौदा शहर (III) जनरल स्टोर की दुकान — (III) मित्र (IV) दादाजी की मृत्यु — (IV) रानीपुर बाज़ार (क) (I)–(I), (II)–(II), (III)–(III), (IV)–(IV) (ख) (I)–(IV), (II)–(I), (III)–(II), (IV)– (III) (ग) (I)–(I), (II)–(III), (III)–(II), (IV)– (IV) (घ) (I)–(II), (II)–(III), (III)–(IV), (IV)– (I)	
(VII)	'हुसैन की कहानी अपनी ज़बानी' पाठ के अनुसार निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) सच्चा परिश्रम तथा लक्ष्य के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। (II) ऐसे संघर्षशील व्यक्ति को साधन तथा प्रोत्साहित करने वाले व्यक्ति को कभी नहीं मिलते। (III) प्रतिभा के विकास का सही अवसर तथा सही मार्गदर्शन मिलने से सफलता अवश्य मिलती है। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (I) (ख) केवल (II) (ग) (I) और (III) दोनों (घ) (II) और (III) दोनों	
	खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
प्रश्न 7.	**निम्न में से किसी <u>एक विषय</u> पर लगभग 120 शब्दों में दृश्य लेखन कीजिए–** सब्ज़ी बाजार का दृश्य **अथवा** वैवाहिक समारोह का दृश्य	**5X1=5**

DoE, Delhi

प्रश्न 8. (क)	दिल्ली विद्युत बोर्ड में कंप्यूटर ऑपरेटर के कुछ पद रिक्त हैं। अपनी योग्यताओं का उल्लेख करते हुए इस पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखें। **अथवा** शहरी विद्यार्थियों की घटती शारीरिक गतिविधियों की समस्या पर चिंता प्रकट करते हुए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखिए।	**5X1=5**
(ख)	महिलाओं पर होने वाले घरेलू उत्पीड़न से संबंधित जाँच समिति का प्रतिवेदन लिखिए। **अथवा** विद्यालय में 'स्वच्छता सप्ताह' मनाने हेतु आयोजित बैठक में जिन विषयों पर चर्चा हुई और जो निर्णय लिए गए उनका कार्यवृत्त तैयार कीजिए।	**3X1=3**
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए–**	**2X2=4**
(I) (II)	'डायरी नितांत वैयक्तिक रचना है' इस कथन के आलोक में डायरी लेखन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। लोकतंत्र में जनसंचार माध्यमों का प्रभाव बताइए।	
प्रश्न 10.	**निम्न में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**	**2X2=4**
(I) (II) (III)	कवि पंत प्रकृति चित्रण के यथार्थ चितेरे हैं। 'संध्या के बाद' शीर्षक कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 'तरल तरुण कस्तूरी मृग को अपने पर चिढ़ते देखा है बादल को घिरते देखा है –––इस पंक्ति में निहित आशय स्पष्ट कीजिए। 'जाग तुझको दूर जाना' कविता में 'अमरता– सुत' का संबोधन किसके लिए और क्यों आया है?	
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित में से <u>किसी एक काव्यांश</u> की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**	**6X1=6**
	खेलन में को काको गुसैयाँ। हरि–हारे जीते श्रीदामा, बरबस हीं कत करत रिसैयाँ। जाति–पाँति हमरौं बड़ नाही, नाही बसत तुम्हारी छैयाँ। अति अधिकार जनावत यातै, जातें अधिक तुम्हारै गैयाँ। रूठहि करै तासौं को खेलै, रहे बैठि जहँ–तहँ ग्वैयाँ। सूरदास प्रभु खेल्यौइ चाहत, दाऊँ दियौ करि नंद–दुहैयाँ। **अथवा** कहाँ गया धनपति कुबेर वह कहाँ गई उसकी वह अलका नहीं ठिकाना कालिदास के व्योम–प्रवाही गंगाजल का, ढूँढ़ा बहुत परंतु लगा क्या मेघदूत का पता कहीं पर, कौन बताये वह छायामय बरस पड़ा होगा न यहीं पर, जाने दो, वह कवि–कल्पित था, मैंने तो भीषण जाड़ों में	

DoE, Delhi

	नभ–चुंबी कैलास शीर्ष पर महामेघ को झंझानिल से गरज–गरज भिड़ते देखा है। बादल को घिरते देखा है।	
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर दीजिए–**	**2X2=4**
(I) **(II)** **(III)**	ज्योतिबा फुले का नाम समाज सुधारकों की सूची में शुमार क्यों नहीं किया गया? तर्क सहित उत्तर लिखिए। 'चल! ये लोग म्हारा घर ना बणने देंगे।' सुकिया के इस कथन के आधार पर 'खानाबदोश' कहानी की पूरी संवेदना स्पष्ट कीजिए। 'मनुष्य की करुणा की भावना उसके भीतर गूँगेपन की प्रतिच्छाया है' कहानी के इस कथन को वर्तमान सामाजिक परिवेश के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**	**6X1=6**
	भाइयो और बहनो, डरो मत। जहाँ अंधकार है, वहीं प्रकाश है। अंधकार में प्रकाश की किरण है, जैसे प्रकाश में अंधकार की किंचित कालिमा हैं। प्रकाश भी है। प्रकाश बाहर नहीं है, उसे अंतर में खोजो। अंतर में बुझी उस ज्योति को जगाओ। मैं तुम सबका उस ज्योति को जगाने के लिये आह्वान करता हूँ। मैं तुम्हारे भीतर वही शाश्वत ज्यो पारे 'साधना मंदिर' में आकर उस ज्योति को अपने भीतर जगाओ। **अथवा** 'स्वतंत्रता का अनुभव हम स्त्रियों को है ही नहीं। इस बात की आज शपथ लो कि स्त्री को उसका अधिकार दोगे और उसे अपनी स्वतंत्रता का अनुभव करने दोगे।' यह आकांक्षा सिर्फ वधू की ही नहीं, गुलामी से मुक्ति चाहने वाली हर स्त्री की थी। स्त्री के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए ज्योतिबा फुले ने हरसंभव प्रयत्न किया।	
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–**	**3X1=3**
(I) **(II)**	'आवारा मसीहा' पाठ के आधार पर बताइए कि उस समय के और वर्तमान समय के पढ़ने लिखने के तौर तरीकों में क्या अंतर है? आप पढ़ने लिखने के कौन से तौर–तरीकों के पक्ष में है और क्यों? कला के प्रति लोगों का नजरिया पहले कैसा था? उसमें अब क्या बदलाव आया है?	

DoE Delhi